

## जनजातीय गौरव दविस 2024

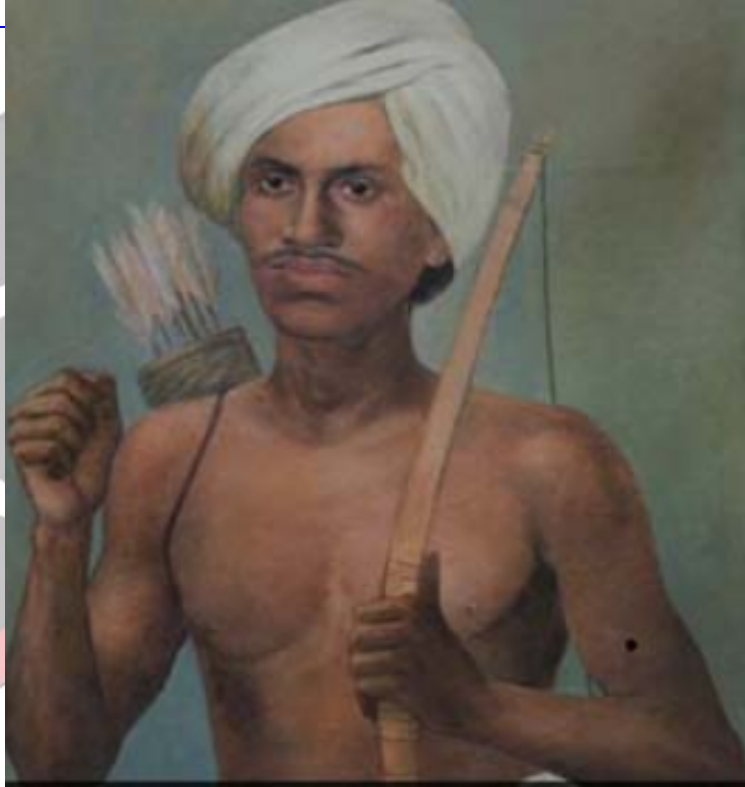
### चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने [भगवान बरिसा मुंडा](#) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जसि [जनजातीय गौरव दविस \(15 नवंबर\)](#) के रूप में मनाया जाता है।

### मुख्य बदि

#### ■ जनजातीय गौरव दविस:

- यह दविस [सांस्कृतिक वरिसत के संरक्षण](#) और राष्ट्रीय गौरव, वीरता और आतथिय के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में [आदविसियों](#) के परयासों को मान्यता देने के लयि प्रतविरष मनाया जाता है।
- भारत के वभिन्न कषेत्रों में आदविसियों ने ब्रिटिश औपनवशिक शासन के वरिद्धकई आदविसी आंदोलन कयि। इन आदविसी समुदायों में [तामार](#), [संथाल](#), [खासी](#), [भील](#), [मजि](#) और कोल आदि शामिल हैं।

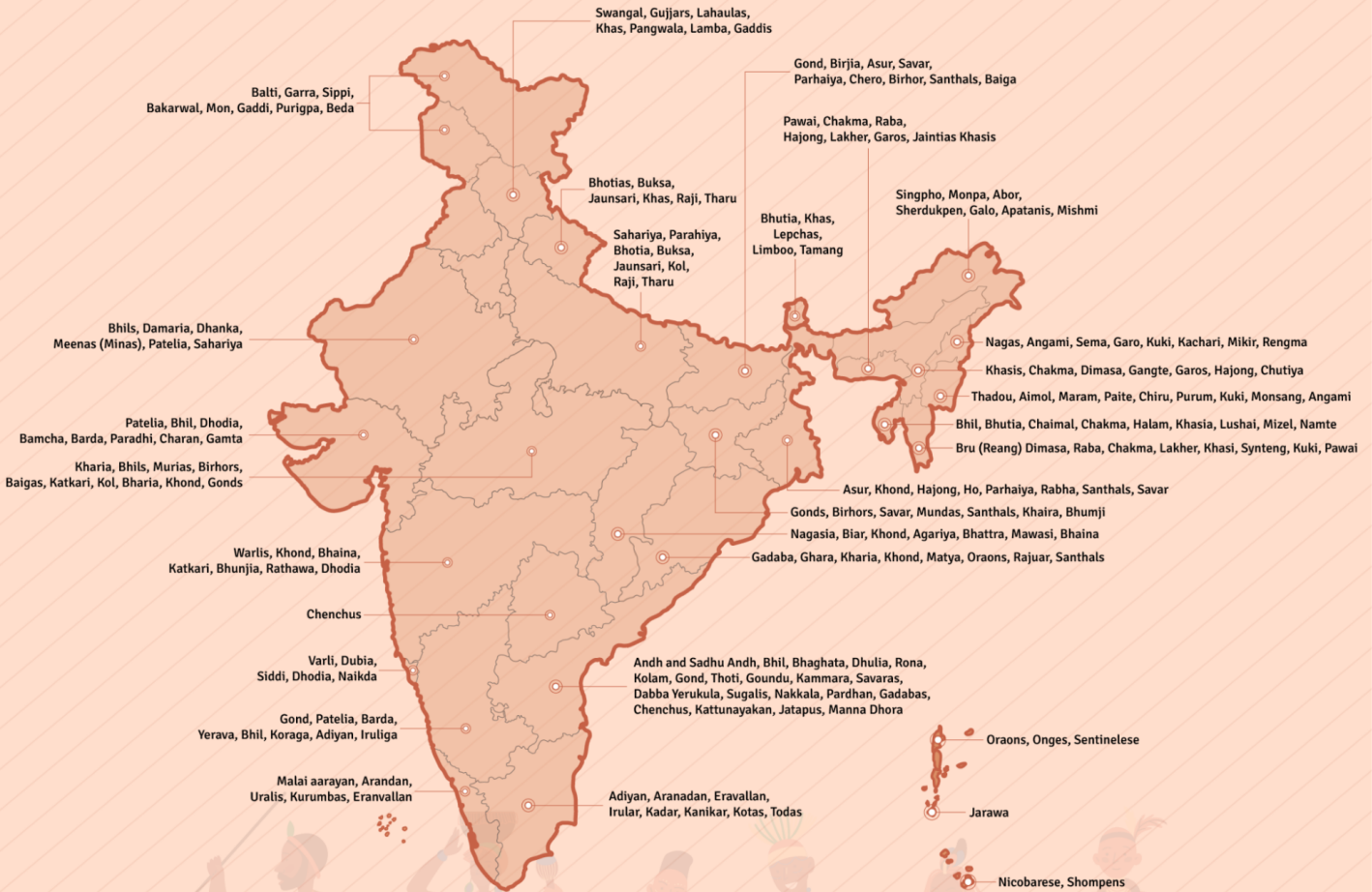


### बरिसा मुंडा:

- 15 नवंबर, 1875 को जन्मे बरिसा मुंडा [छोटा नागपुर पठार](#) के [मुंडा जनजाति](#) के सदस्य थे।
- वह एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक नेता और लोक नायक थे।
- उन्होंने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश शासन के दौरान आधुनिक झारखंड और बिहार के आदविसी कषेत्र में भारतीय आदविसी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व कयि।

- बरिसा 1880 के दशक में इस क्षेत्र में **सरदारी लाराई आंदोलन के करीबी पर्यवेक्षक थे**, जो ब्रिटिश सरकार से याचिका दायर करने जैसे अहसिक तरीकों से आदवासी अधिकारों को बहाल करने की मांग कर रहा था। हालांकि, इन मांगों को कठोर औपनिवेशिक अधिकारियों ने नज़रअंदाज़ कर दिया था।
- ज़मींदारी प्रथा के तहत आदवासियों को **शीघ्र ही भूस्वामियों से हटाकर मज़दूर बना दिया गया**, जिसके परिणामस्वरूप बरिसा ने आदवासियों के हितों के लिये आवाज़ उठाई।
- बरिसा मुंडा ने आगे चलकर बरिसाइट नामक एक नया धर्म बनाया।
  - धर्म ने एक ईश्वर में विश्वास का प्रचार किया और लोगों से अपने पुराने धार्मिक विश्वासों पर लौटने का आग्रह किया। लोग उन्हें एक कफ़ायती धार्मिक उपचारक, चमत्कार करने वाले और उपदेशक के रूप में संदर्भित करने लगे।
- उरांव और मुंडा लोग बरिसाई धर्म के पक्के अनुयायी बन गए और कई लोग उन्हें **'धरती अब्बा अर्थात् पृथ्वी का पति'** कहने लगे। उन्होंने धार्मिक क्षेत्र में एक नया दृष्टिकोण लाया।
- बरिसा मुंडा ने उस विद्रोह का नेतृत्व किया जैसे ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपी गई सामंती राज्य व्यवस्था के विरुद्ध उलगुलान (विद्रोह) या मुंडा विद्रोह के रूप में जाना जाता है।
- उन्होंने जनता को जागृत किया और उनमें ज़मींदारों के साथ-साथ अंग्रेज़ों के विरुद्ध विद्रोह के बीज बोए।
- **आदवासियों के शोषण और भेदभाव के विरुद्ध** उनके संघर्ष के परिणामस्वरूप 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम पारित हुआ, जिसने आदवासी लोगों से गैर-आदवासियों को भूमि देने पर प्रतिबंध लगा दिया।

# भारत में प्रमुख जनजातियाँ



- अनुसूचित जनजाति भारत की जनसंख्या का 8.6% है (जनगणना 2011)। मसौदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ दर्ज हैं।
- विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक अचुरित/सुभेद्य हैं। 75 सूचीबद्ध PVTGs में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।
- गोंड के बाद भील सबसे बड़ा आदिवासी समूह (भारत की कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी का 38% है)।
- भारत की सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- संयाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति है। संयालों की शासन प्रणाली, जिसे मांडी-परगना के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, लक्षद्वीप के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- अनुच्छेद 275 अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष धन देने का प्रावधान करता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/janjatiya-gaurav-divas-2024>

